

डोर्सी का बयान गंभीर आरोप

टिवटर के पूर्व सीईओ जेक डोर्सी द्वारा लगाए आरोप बहुत संवेदनशील हैं, जबकि भारत सरकार ने उनके 'सफेद झुट' बताया है। टिवटर के पूर्व सीईओ जेक डोर्सी ने हाल में विवादास्पद बयान दे कर आरोप लगाया है कि भारतीय अधिकारियों ने किसान आंदोलन के दौरान उन पर कफी दबाव डाला। उन्होंने दावा किया कि भारत सरकार ने टिवटर को लगभग 300 खाते हटाने पर मजबूत किया। इस बयान से अधिक्वाक्ति की स्वतंत्रता, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जबाबदही तथा अनन्दानन स्पेस नियंत्रित करने के लिए काफी पर चर्चा पर शुरू हो गई है। विषय को यह मोदी सरकार के विलाकार एक और 'हथियार' की तरह मिल गया है और वह डोर्सी के आरोपों की जांच की मांग कर रहा है। हालांकि, स्वतंत्र अधिक्वाक्ति के दुरुस्योग या उड़के दमन को संवेदित करना जरूरी है, पर हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि सोशल मीडिया मंचों को संवेदित देशों के कानूनी ढांचे में काम करना चाहिए। लगातार एक दूसरे से जुड़ रही तमान दुनिया में अधिक्वाक्ति की स्वतंत्रता तथा जबाबदही की ओर नाजुक संतुलन बनाना चाही है। पारदर्शिता, सहयोग व जिमेंदार प्रशासन ऐसा परिवेश बना सकता है जहां लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान हो तथा सभी हितधारकों का सम्मान किया जाए।

डोर्सी द्वारा लगाए आरोप हत्याकाम करने वाले हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि टिवटर पर सरकार ने लगातार दबाव डाला कि वह उन लगभग 300 एक्टिविस्टों के पत्रकारों के एकांउट बंद करने की समझ कीर्ति की ओर खाता थी।

टिवटर को छोड़े मारने, कर्मचारियों को जेल में बंद करने तथा यहां तक कि उसे भारत से बाहर निकालने की धमकी भी दी गई। भारत सरकार ने पूरी दृढ़ता से इन आरोपों के खंडन करते हुए टिवटर पर आरोप लगाया है कि वह देश के कानूनों का उल्लंघन कर रहा था।

टिवटर पर एक पोर्ट में भारत के सूचना प्रौद्योगिकी उप मंत्री

राजीव चंद्रशेखर ने डोर्सी के आरोपों को 'सफेद झुट' कहा है। उन्होंने कहा कि न टिवटर के किसी कर्मचारी को जेल भेजा गया और उसके परिसरों पर कोई छाप मारा गया। उन्होंने विषय से यह भी बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कानूनों का किस प्रकार पालन नहीं कर रहा है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि टिवटर को भारतीय संरक्षित करने में दिक्कत थी और उसका व्यवहार ऐसा था, जैसे कि भारतीय कानून उस पर लगानी होती है। डोर्सी के बयान के निवारिती पर सबल उठाते हुए

सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने ट्वीट में कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा और प्राकृतिक लोकतंत्र है। उन्होंने डोर्सी के बयान के सम्बन्ध में कहा कि 'भारत में जब भी चुनाव निकाल आते हैं तो कुछ विदेशी ताकतें और यहां उड़े एंजेंट तक योजनाबद्ध तरीके से देश को अस्थिर व दबाना करने के लिए सक्रिय होते हैं।'

अनुराग ठाकुर ने संकेत किया कि जब टिवटर के अधिग्रहण के समय डोर्सी के कामकाज पर सबल उड़ तो उन्होंने आज तक उनका जबाब नहीं दिया। जैक डोर्सी का बयान ऐसे समय आया है जब सारी दुनिया भारत की आधिक प्रगति की प्रसंसा कर रही है। भारत आज न केवल उन्हीं की सुविधा दी गई है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विदेश व्यापार नीति-एफटीपी

को अंकित, खानीकृत व सिनजाइज करने के बायां एक समग्र ट्रैकटोरिंग

अपनाना जरूरी हो गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि भारत वैश्विक व्यापार

व्यस्था के अनुकूल सक्षम व सुरक्षित बनेगा। इस प्रकार एक्टिविस्टों ने नियंत-आयात स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तनों के उनको सुधारने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही नियंत-आयात गतिविधियों-इक्विटम कार्बवाइयों में भी सुधार की जरूरत है। नई विद

